वर्ष-10, अंक-13, 1-15 जुलाई, 2025 (पाक्षिक)

चाणक्य वार्ता

ISSN 2456-1207

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

मूल्य : 15 रुपये
कुल पृष्ठ 48

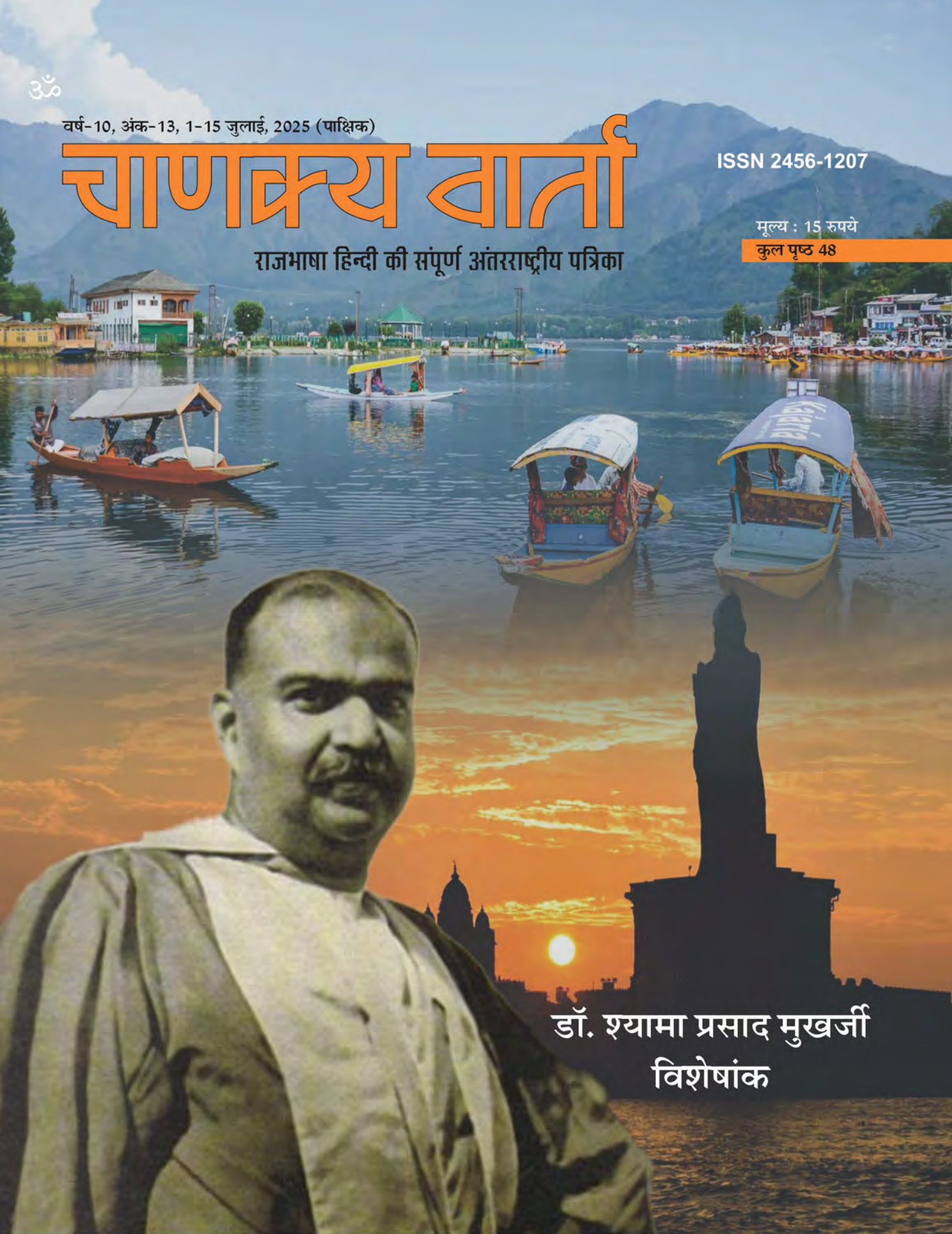

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विशेषांक

जो व्यक्ति अपने कर्मों के प्रति ईमानदार है, उसे हमेशा सफलता मिलती है—आचार्य चाणक्य

चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 10, अंक : 13, 1-15 जुलाई, 2025

अनुक्रम

05 सम्पादक के नाम पत्र
06 सम्पादक की कलम से

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विशेषांक

09 डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी व्यक्तित्व एवं कृतित्व : प्रो. राजेश कुमार पांडेय
11 राष्ट्रवादी राजनीति, शिक्षा एवं अध्यात्म के समग्र चिंतक : डॉ. घनश्याम बादल
15 दिवा-स्वप्न नहीं है अखंड भारत की कल्पना : लक्ष्मीनारायण भाला 'लक्खीदा'
17 राष्ट्रीय एकता के महानायक–डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : डॉ. विनोद बब्बर
18 अखण्ड भारत के पोषक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : धर्मप्रकाश गुप्त
20 राष्ट्रवाद के पुरोधा : डॉ. प्रेरणा चतुर्वेदी
21 जनसंघ की स्थापना से पूर्व की अदृश्य भूमिका : कृष्णानन्द सागर
22 डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान : विजय कुमार
24 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों का जम्मू-कश्मीर : धीरेंद्र मिश्रा
26 70 साल बाद हुआ डॉ. मुखर्जी का सपना पूरा : रमेश गुप्ता
28 स्थापित किया जाए डॉ. मुखर्जी का 'स्टेचू ऑफ नेशन' : आर.पी. तोमर

नई दिल्ली कार्यालय
मुख्यालय :
'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
कॉरपोरेट कार्यालय :
321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय
एस.सी.ओ. 24, द्वितीय तल, सेक्टर-11, पंचकूला, हरियाणा-134112
सम्पर्क : 0172-4672424, 09466988764

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय
116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001
सम्पर्क : 09101834214, 9864337619

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय
13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट, चेन्नई-600 079
सम्पर्क : 9342302248, 9941245660

संरक्षक
डॉ. योगेन्द्र नारायण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय
लक्ष्मीनारायण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल
पद्मश्री डॉ. (स्व.) श्यामसिंह शशि
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)
वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल
सम्पादक : **डॉ. अमित जैन**
कार्यकारी सम्पादक : **आर.पी. तोमर**
उप सम्पादक : **सारांश कनौजिया**

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
स्व. घनराज भाम्बी
(वरिष्ठ पत्रकार–रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)
दिलीप बैनर्जी, कोलकत्ता

आर्थिक सलाहकार मंडल
सी.ए. मन्त्रेश्वर कर्ण
सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
धर्मपाल महेन्द्र जैन, टोरंटो, कनाडा
कैलाश कंदोई, सिलीगुड़ी

विधि सलाहकार मंडल
अंकुर जैन (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)
योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)
अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी– **विशाल शर्मा**, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी– **राजीब अगस्ती**, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी– **नवरतन पींचा जैन**, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी– **आशा सिंह देवासी**, मुंबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी– **प्रकाश बेताला**, भुवनेश्वर
असम प्रभारी– **दीक्षित हजारिका**, तिनसुकिया
तमिलनाडु प्रभारी– **जे.पी. ललवानी**, चेन्नई
मध्य प्रदेश प्रभारी– **लखनलाल चौरसिया**, भोपाल
उत्तर प्रदेश प्रभारी– **इंदुभाल त्रिपाठी**, प्रयागराज

कथा-साहित्य

31 औसान-5 : डॉ. उम्मेदसिंह बैद

चिन्तन

32 आचार्य चाणक्य ने बताई कुछ काम की बातें: रमेश जैन

व्यंग्य

33 वे चूहा नहीं थे पर... : धर्मपाल महेंद्र जैन

समाचार जगत

34 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा

37 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन

38 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन

39 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीब अगस्ती/डॉ. आलोक सिंह

40 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण

43 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट

जॉब अलर्ट

44 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन

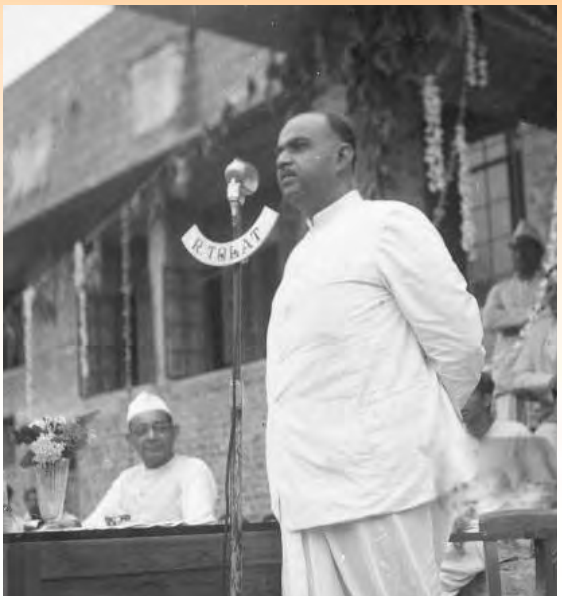

देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य ब्यूरो चीफ

धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
शरद छिब्बर, चंडीगढ़
रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
सतीश दास, गुवाहाटी, असम
डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेघालय
रतन सूत्रधार, अगरतला, त्रिपुरा
तुंबन रीबा 'लीली', ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
हुरुई जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
ए. रणजीत, आईजोल, मिजोरम
किरन कुमार, इंफाल, मणिपुर
डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
वेद प्रकाश पाण्डेय, बेंगलुरु, कर्नाटक
ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी
अरुण लक्ष्मण, तिरुवन्तपुरम, केरल
किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
सियानंद मंडल, पटना, बिहार
गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
प्रफुल्ल कुमार दाश, भुवनेश्वर, ओड़िशा
अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड

हेमन्त उपाध्याय, जयपुर

नेशनल मार्केटिंग हेड

धीरेन बरोट, अहमदाबाद

जिला ब्यूरो चीफ

अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
सोनम जैन, दिल्ली
डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका मँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा ***chanakyavarta@gmail.com*** पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा.लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : **अमित जैन।**

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल आईडी response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।
—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'

इस बार आईपीएल में बेंगलुरू की टीम ने विजय प्राप्त की है। वर्षों बाद मिली इस उपलब्धि का उत्सव मनाया जाना चाहिए। लेकिन इस उत्सव के दौरान जो मौते हुईं, वो अत्यंत दुखद थी। चाणक्य वार्ता के संपादक डॉ. अमित जैन ने पत्रिका के 16 जून 2025 के अंक में इस दुर्घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए अपना संपादकीय लिखा है। उनकी सभी चिंताओं से मैं पूरी तरह से सहमत हूं। भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है, किंतु हमारे देश में क्रिकेट की लोकप्रियता सबसे अधिक है। यही लोकप्रियता बेंगलुरू में दुर्घटना का कारण बनी। सिर्फ प्रशंसकों को भी इसके लिए जिम्मेदार नहीं कहा जा सकता। पुलिस-प्रशासन यहां तक की राज्य के मंत्रीगण जो वहां थे, उन्होंने भी समय रहते इस भीड़ को नियंत्रित करने का कोई प्रयास नहीं किया। इसलिए राज्य सरकार को भी इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

एम रामचंद्रन
तिरुवनंतपुरम, केरल

चाणक्य वार्ता के 16 जून 2025 के अंक में मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर आर.पी. तोमर का लेख पढ़ा। लेखक ने अपने लेख में इस कालखण्ड के दौरान किए गये मोदी सरकार के विभिन्न कार्यों का उल्लेख किया है। यहां पर सभी की चर्चा करना संभव नहीं है। इसके बाद भी कुछ बातों का उल्लेख करना आवश्यक है। जैसे अनुच्छेद 370 की समाप्ति। यह अनुच्छेद जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करता था। जिसे मोदी सरकार ने समाप्त कर दिया। इसके अलावा अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य। ये दोनों ही ऐसे विषय थे, जो भारत की स्वतंत्रता के बाद से ही हमारे सामने थे। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर भी एक ऐतिहासिक कदम था। क्योंकि शायद ही हमने ऐसी कोई सर्जिकल स्ट्राइक इससे पहले की होगी। मोदी सरकार में भारत की आर्थिक प्रगति भी उल्लेखनीय रही।

एस. पेरियासामी
चेन्नई, तमिलनाडु

अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे पर डॉ. भरत कुमार का लेख चाणक्य वार्ता के 16 जून के अंक में पढ़ा। कुछ लोग कह रहे हैं कि यह हादसा किसी तकनीकि खराबी या मानवीय भूल के कारण हुआ। लेकिन मुझे इसके पीछे दिये जा रहे तर्क अभी भी समझ में नहीं आ रहे हैं। हालाँकि लेखक ने इस दुर्घटना से जुड़ी उपलब्ध जानकारी के अनुसार अच्छा विश्लेषण किया है। इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी का भी देहांत हो गया। जब मैं आपकी पत्रिका को अपने विचार भेज रहा था, तब तक भी सभी विमान यात्रियों के डीएनए सैंपल मैच होकर उनके परिवारजनों को शव सौंपे नहीं जा पाये थे। पत्रिका के इस अंक में इसी विमान हादसे पर सुरेश चौधरी 'इंदु' का लेख भी है। लेखक ने इस हादसे के बाद विमान यात्राओं को लेकर उपजे डर को अपने आंकड़ों से कम करने का प्रयास किया है। यह एक अच्छी पहल है।

पी पार्थसारथी
द्वारका, नई दिल्ली

चाणक्य वार्ता के 16 जून के अंक में ओडिशा की माझी सरकार के एक वर्ष पूरे होने पर प्रफुल्ल कुमार दाश का लेख पढ़ा। ओडिशा राज्य के आगे बढ़ने की बहुत अधिक संभावना है। आवश्यकता इस ओर सही कदम बढ़ाने की है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी हमेशा जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान निकालने की कोशिश करते हैं। यह जानकर मुझे लगता है कि प्रदेश की भाजपा सरकार सही दिशा में बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने लक्ष्य अच्छा रखा है, लेकिन पूरी सरकार को इस दृष्टि से काम करना होगा। अभी बहुत कुछ करना बाकी है।

सूर्यकांत मिश्रा
कोलकाता, पश्चिम बंगाल

चाणक्य वार्ता के 16 जून 2025 के अंक में योगेश कुमार गोयल का दिल्ली सरकार के 100 दिनों पर लेख पढ़ा। केंद्र शासित प्रदेश होने के बाद भी रेखा गुप्ता सरकार ने सिर्फ 100 दिनों में ही काफी काम शुरू कर दिया है। कुछ केंद्रीय योजनाएँ जो पिछली आम आदमी पार्टी सरकार में दिल्ली में लागू नहीं हो पाई थी। रेखा सरकार ने उन्हें अपने पहले 100 दिनों में ही लागू करने का प्रयास शुरु कर दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने प्रदेश की जनता से कई वायदे किंए थे। भाजपा सरकार बनते ही तेजी से इन घोषणाओं को लागू किया जा रहा है।

हरीश कुमार पाटीदार
जोधपुर, राजस्थान

चाणक्य वार्ता के 16 जून अंक में हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार पर विशाल शर्मा का लेख पढ़ा। इस लेख में लेखक ने प्रदेश को औद्योगिक हब बनाने से जुड़ी जानकारियों को हम पाठकों से साझा किया है। उनके अनुसार सैनी सरकार हरियाणा में 10 नई आईएमटी सिटी व 7 स्मार्ट सिटी बनाने जा रही है। इससे रियल स्टेट उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इसी लेख से मुझे पता चला कि गुरुग्राम में फिल्म सिटी बनेगी। इसके लिए उपयुक्त भूमि की तलाश जारी है। हर प्रदेश का अपना मनोरंजन उद्योग होता है, लेकिन हिन्दी भाषा के क्षेत्र में कलाकारों के लिए मुंबई जाना सबसे बड़ा सपना होता है। क्योंकि वहां अवसर अधिक होते हैं। फिल्म सिटी बनने के बाद अब प्रदेश के कलाकारों को मुंबई नहीं भागना पड़ेगा।

दीपक सिंह
कुरुक्षेत्र, हरियाणा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा कटरा-श्रीनगर रेल लाइन के उद्घाटन पर रमेश गुप्ता का लेख पढ़ा। जब यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। तब मैंने इस रेल लाइन के उद्घाटन पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का बयान पढ़ा था। उन्होंने कहा कि उनका एक सपना आज साकार हो गया है। उमर कांग्रेस के समर्थन से जीत कर मुख्यमंत्री बने हैं। इसलिए उनका बयान और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत की स्वतंत्रता के बाद पहली बार यहां रेल लाइन पहुंची है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि विकास के मामले में जम्मू-कश्मीर अब तक कितना पिछड़ा हुआ था।

ब्रजेश नड्डा
धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश